PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Punjab Kesari, Delhi
Fri, 17 Feb 2017, Page 11
Width: 18.51 cms, Height: 6.69 cms, a4r, Ref: 51.2017-02-17.24

स्टेंट की कीमतें नियंत्रित करने के विरोध में उतरा उद्योग जगत

नई दिल्ली, (वार्ता): दिल के ऑपरेशन में इस्तेमाल होने वाले कार्डियक स्टेंट की कीमतों को राष्ट्रीय औषधि मूल्य नियंत्रण प्राधिकरण (एनपीएए) द्वारा नियंत्रित करने का विरोध जताते हुए उद्योग जगत ने कहा है कि इससे उपचार की गुणवत्ता प्रभावित होगी जिसका मरीजों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के मेडिकल डिवीजन के अध्यक्ष हिमांशु बैद का कहना है कि स्टेंट की कीमतों को नियंत्रित करके उसमें करीब 85 फीसदी की कटौती करने से उपचार की गुणवत्ता प्रभावित होगी और साथ ही मेडिकल पर्यटन क्षेत्र की तीव्र विकास गति में बाधा पहुंचेगी। उन्होंने कहा-मेडिकल टेक्नोलॉजी उद्योग एनपीएए के इस फैसले से बहुत निराश है। उद्योग को उम्मीद थी कि स्टेंट की कीमतें ठीक तरह से तय की जायेंगी। उन्हें उम्मीद थी कि उन्नयन को प्रोत्साहन देने के लिए इल्यूटिंग स्टेंट की कीमतों में वाजिब अंतर रखा जायेगा। स्टेंट निर्माताओं का कहना है कि एनपीएए द्वारा कीमत नियंत्रण करने से उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती स्टेंट को बाजार से वापस मंगाना और उन पर दोबारा लेबल लगाने की है। यह बड़ा जोखिम भरा है क्योंकि स्टेंट को पैकेट में डालने के समय उसे स्टेराइल किया जाता है। उद्योग जगत ने एनपीएए से तत्काल अपने आदेश में संशोधन करने की अपील की है।